एक्सप्रेस व्यूज़

R.N.I.NO.: UPHIN/2019/77214

वर्ष : 07 अंक : 11 पीलीभीत, नवम्बर 2025 (हि0मा0) पृष्ठ 8 मूल्य :5 रूपया

रजत जयंती पर पीएम मोदी ने कहा

विकसित छत्तीसगढ़ लिख रहा नई इबारत, अटल प्रतिमा का अनावरण

छत्तीसगढ़। प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस को विकास यात्रा की स्वर्णिम शुरूआत बताते हुए राज्य की जनता को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने अपने गहरे व्यक्तिगत जुड़ाव को याद करते हुए, नवा रायपुर में नई विधानसभा भवन और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का उद्घाटन किया। यह समारोह राज्य के 25 वर्षों के महत्वपूर्ण पड़ाव को रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और बताया कि कैसे राज्य ने एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है और आगे भी तेजी से विकास होगा। पीएम मोदी ने एक युवा कार्यकर्ता के रूप में अपने समय और छत्तीसगढ़ में काफी समय बिताने को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने छत्तीसगढ़ के परिवर्तन के हर पल को देखा। पीएम मोदी ने नवा रायपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा आज का दिन छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा की एक स्वर्णिम शुरूआत है और मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यह एक बहुत ही खुशी का दिन है, एक महत्वपूर्ण दिन है। मोदी ने कहा कि पिछले कई दशकों से इस धरती से मेरा गहरा व्यक्तिगत जुड़ाव रहा है। एक कार्यकर्ता के रूप में मैंने छत्तीसगढ़ में काफी समय बिताया है। इस जगह के लोगों, इस धरती ने मेरे जीवन को आकार देने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। छत्तीसगढ़ का विजन, इसके निर्माण का संकल्प और उस संकल्प की पूर्ति। रजत जयंती समारोह के अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के नए विधानसभा भवन का उद्घाटन किया और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का भी अनावरण किया, जिनके नेतृत्व में 1 नवंबर, 2000 को राज्य का गठन हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के परिवर्तन के हर पल का साक्षी रहा हूँ। और आज, जब छत्तीसगढ़ अपनी 25 साल की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुँच रहा है, मुझे भी इस क्षण का भागीदार बनने का अवसर मिला है। आज इस रजत जयंती समारोह में, मुझे राज्य के लोगों के लिए इस नई विधानसभा का उद्घाटन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के लोगों और राज्य सरकार को अपनी शुभकामनाएँ और बधाई देता हूँ। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने नवा रायपुर में आध्यात्मिक शिक्षा, शांति और ध्यान के आधुनिक केंद्र, ब्रह्माकुमारीज के शांति शिखर का भी उद्घाटन किया। नवा रायपुर अटल नगर में यह उद्घाटन समारोह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में 'जीवन का उपहार' कार्यक्रम के तहत जन्मजात हृदय रोगों का सफलतापूर्वक इलाज करा चुके लगभग 2,500 बच्चों से बातचीत करने के तुरंत बाद हुआ। कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री ने विकसित भारत आंदोलन में ब्रह्माकुमारीज की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, विकसित भारत आंदोलन में ब्रह्माकुमारीज की भूमिका महत्वपूर्ण है। मैं वर्षों से उनके साथ जुड़ा हुआ हूँ। मैंने आपके प्रयासों को बहुत गंभीरता से देखा है।

जंगलराज नहीं, मोदी-नीतीश के सुशासन से बढ़ेगा बिहार

बिहार। अमित शाह ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए के घोषणापत्र को प्रस्तुत करते हुए किसानों और महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया, जिसमें एमएसपी वृद्धि और जीविका दीदियों को वित्तीय सहायता शामिल है। उन्होंने जंगल राज के आरोपों के माध्यम से विपक्ष पर निशाना साधते हुए, बिहार में बुनियादी ढांचे के विकास और बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित करने की एनडीए की प्रतिबद्धता पर बल दिया। शाह का यह प्रचार भाषण राज्य के आर्थिक विकास और बेहतर कानून-व्यवस्था पर केंद्रित था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बिहार के लोगों से आगामी विधानसभा चुनावों में एनडीए गठबंधन का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों और एनडीए के 'संकल्प पत्र' में उल्लिखित प्रतिबद्धताओं पर प्रकाश डाला। खराब मौसम के कारण गोपालगंज

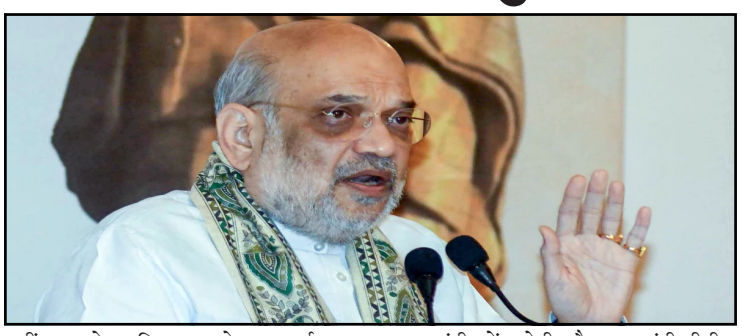

नहीं जा सके अमित शाह ने एक वर्चुअल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एनडीए के समर्थन में यहाँ एकत्रित हुए लोगों की भारी संख्या के लिए मैं क्षमा चाहता हूँ। लेकिन खराब मौसम के कारण पटना से गोपालगंज जाने की अनुमति नहीं मिली, इसलिए मैं आप सभी से वर्चुअली बात कर रहा हूँ। बिहार में किसानों और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एनडीए की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, शाह ने रेखांकित किया कि एनडीए के हाल ही में जारी घोषणापत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की प्रगति के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की रूपरेखा दी गई है। उन्होंने कहा, कल हमने अपना घोषणापत्र जारी किया। हमने बिहार के विकास के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है। लेकिन दो प्रमुख बातें हैं - एक किसानों के लिए और एक महिलाओं के लिए - जिन्हें मैं दोहराना चाहता हूँ। अभी-अभी, प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार ने 1 करोड़ 41 लाख जीविका दीदियों के बैंक खातों में 10,000 रुपये ट्रांसफर किए हैं। हम उन सभी जीविका दीदियों के खातों में विभिन्न माध्यमों से 2 लाख रुपये तक की राशि भेजेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 87 लाख किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये प्रदान करते हैं; एनडीए सरकार बनने के बाद यह राशि बढ़कर 9,000 रुपये हो जाएगी। विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए, गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि 'जंगल राज' के दौर में बिहार में अराजकता और आपराधिक गतिविधियाँ चरम पर थीं। शाह ने कहा, गोपालगंज के लोग साधु यादव के कारनामों से वाकिफ हैं। जंगल राज के दौरान अनगिनत हत्या की घटनाएं हुईं। इसके बजाय, प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार ने बिहार में सुशासन के लिए काम किया। केंद्रीय मंत्री ने आगे आश्वासन दिया कि एनडीए सरकार अगले पाँच वर्षों के भीतर राज्य की सभी बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित करेगी। शाह ने जोर देकर कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से शुरू करने का बहुत अच्छा प्रयास किया है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बरकरार

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 91 प्रतिशत रहा। दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार को भी खराब श्रेणी में रही और समग्र एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) थोड़ा बढ़कर 251 हो गया जो एक दिन पहले 218 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। दिल्ली में आठ केंद्रों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया जबकि अन्य पर यह खराब रहा। सीपीसीबी के समीर ऐप के अनुसार, वजीरपुर में सबसे अधिक 333 एक्यूआई दर्ज किया गया। एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

बिहार में रोजगार पर सियासी जंग :

1 करोड़ नौकरी सिर्फ चुनावी जुमला: प्रियंका

बिहार। प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार में एनडीए के एक करोड़ नौकरी के वादे की टाइमिंग और ईमानदारी पर सवाल उठाया, पूछते हुए कि यह घोषणा अब क्यों की जा रही है। उन्होंने बिहार चुनाव में रोजगार के इस बड़े राजनीतिक वादे पर संदेह व्यक्त किया, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए के संकल्प पत्र को आत्मनिर्भर और विकसित बिहार का विजन बताया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को बिहार में एक करोड़ नौकरियाँ देने के एनडीए सरकार के वादे पर हमला बोला और इस घोषणा के समय और ईमानदारी पर सवाल उठाए। पटना हवाई अड्डे के बाहर पत्रकारों से बात करते

हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अब तक यह वादा क्यों नहीं किया? वे अब इस बारे में क्यों बात कर रहे हैं? प्रियंका गांधी बछवाड़ा में कांग्रेस उम्मीदवार गरीब दास के लिए प्रचार करने बिहार आई हैं, जो चार-तरफा मुकाबले में हैं, जिसमें सीपीआई के आदेश राय के खिलाफ एक दोस्ताना मुकाबला भी शामिल है। वह बेलदौर में पार्टी उम्मीदवार मिथिलेश कुमार के लिए भी प्रचार करेंगी। इससे पहले, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने एक करोड़ से ज्यादा सरकारी नौकरियाँ और रोजगार के अवसर प्रदान करने, कौशल-आधारित रोजगार के लिए कौशल जनगणना कराने और हर ज़िले में मेगा कौशल केंद्र स्थापित करने का वादा किया था, जिससे बिहार एक वैश्विक कौशल प्रशिक्षण केंद्र में बदल जाएगा। सत्तारूढ़ गठबंधन ने 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत महिलाओं की समृद्धि और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए 2 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता देने का भी वादा किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए के 'संकल्प पत्र' की सराहना की, जो बिहार को एक विकसित राज्य बनाने के विजन के साथ अगले पाँच वर्षों के लिए एक वादा है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन के आत्मनिर्भर और विकसित बिहार के विजन को उजागर करता है।

ताजिकिस्तान में वायुसेना अड्डा छोड़ना भारत की सामरिक कूटनीति के लिए झटका: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि भारत द्वारा ताजिकिस्तान के आयनी वायु सैन्य अड्डे पर अपना अभियान समाप्त करना देश की सामरिक कूटनीति के लिए एक और झटका है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, भारत ने 2000 के दशक की शुरूआत में ताजिकिस्तान में अपना आयनी वायुसेना अड्डा स्थापित किया था। इसके बाद वहां बुनियादी ढांचे का विस्तार किया गया। इसके असाधारण स्थान को देखते हुए भारत के पास आयनी में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की प्रमुख योजनाएं थीं। उन्होंने कहा कि चार साल पहले भारत को साफ संदेश दे दिया गया था कि उसे धीरे-धीरे हटना होगा। रमेश ने दावा किया, अब ऐसा प्रतीत होता है कि भारत ने अंततः उस अड्डे को बंद कर दिया है। निःसंदेह यह हमारी सामरिक कूटनीति के लिए एक और झटका है। उन्होंने कहा, संयोग से, आयनी राजधानी दुशांबे से लगभग 10 किमी दूर है जहां एक अद्भुत संग्रहालय है।

डीसी ग्राफिक्स एंड प्रिंटिंग प्रेस में बड़े धूमधाम से मनाया गया द्वितीय वार्षिकोत्सव

जिला सीतापुर कसबा खैराबाद निकट ए आरटीओ ऑफिस बिसुनपुर में संचालित डीसी ग्राफिक्स एंड प्रिंटिंग प्रेस बहुत ही कुशलतापूर्वक अपना दो वर्ष पूरा करने पर अपने प्रिंटिंग प्रेस कार्यालय में वार्षिक उत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया और अपने सभी

सम्मानित ग्राहकों को सहृदय से धन्यवाद देते हुए ग्राफिक्स के अध्यक्ष डालचंद्र वर्मा ने कहा कि हमारे इस प्रिंटिंग प्रेस को असीम ऊंचाइयो तक पहुंचाने का कार्य सम्मानित ग्राहकों का है जिन्होंने हमें इस अपना असीम सहयोग व प्यार देकरके हमारे कार्य को सफल बनाया है।मैं इस क्षेत्र के सभी सम्मानित ग्राहकों का हृदय से धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि आप सभी लोग इसी प्रकार से डीसी ग्राफिक्स का सहयोग करते रहेंगे हमारी प्राथमिकता लोगों की सेवा करना है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय अजय विश्वकर्मा जी ब्लॉक प्रमुख खैराबाद व परम पूज्य गुरुजी श्री अशोक कुमार प्रजापति जी राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त अध्यापक के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभ आरम्भ हुआ। इस मौके पर आरंभ इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन के अध्यक्ष अंकित शुक्ला जी युग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजर ओम प्रकाश मौर्य जी लोधी महा सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लेखराज लोधी जी ब अमन पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य अजय राजपूत जी आदि सम्मानित गणमान्य लोग उपस्थित होकर डीसी ग्राफिक्स के कार्य की सराहना करते हुए बहुत सारी शुभकामनाएं प्रदान की ।

डीएम और सीडीओ ने कसी लगाम सभी अधिकारियों कर्मचारियों को मुख्यालय पर रहने के दिए सख्त निर्देश

सीतापुर। जनपद प्रशासन में अनुशासन और जिम्मेदारी लाने के लिए जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी सीतापुर ने बड़ा और सख्त कदम उठाया है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने–अपने मुख्यालय पर अनिवार्य रूप से निवास करने और नियमित रूप से कार्यालय समय पर उपस्थित रहने के निर्देश जारी किए हैं।इन निर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके और सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुंचे।हालांकि, प्रशासनिक गलियारों में चर्चा यह भी है कि यह आदेश कितना असरदार साबित होगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। कारण साफ है जनपद के अधिकांश अधिकारी एवं कर्मचारी लखनऊ से प्रतिदिन आवागमन करते हैं। इनमें सबसे प्रमुख रूप से खंड विकास अधिकारी,चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक, तथा बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी शामिल हैं।स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि अगर अधिकारी–कर्मचारी वास्तव में मुख्यालय पर रहकर काम करें तो सीतापुर जिले की विकास योजनाओं की रफ्तार तेज होगी, ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और जनता को भटकना नहीं पड़ेगा।कई वर्षों से यह शिकायत सामने आती रही है कि अधिकारी मुख्यालय पर कम और लखनऊ या अन्य शहरों में ज्यादा समय बिताते हैं, जिससे कार्यालयों में कामकाज ठप रहता है और जनता परेशान होती है।अब देखना यह है कि जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी के ये सख्त निर्देश कितनी दूर तक असर दिखाते हैं क्या अधिकारी वास्तव में मुख्यालयों में टिकेंगे, या फिर आदेश केवल फाइलों तक ही सीमित रह जाएगा।

बिसवां में सरदार पटेल जयंती व इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

कर्म सेवा समिति के तत्वाधान में हुआ कार्यक्रम, कांग्रेस नेताओं ने किया योगदान का स्मरण

बिसवां सीतापुर। कर्म सेवा समिति के तत्वाधान में कैंप कार्यालय, निकट पत्थर शिवाला मार्केट पर देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने दोनों महान नेताओं के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमर मेहरोत्रा ने कहा कि देश कभी भी पटेल जी और इंदिरा जी के योगदान को भुला नहीं पाएगा। वहीं प्रदेश कांग्रेस आरटीआई महासचिव रजनीश मिश्रा एडवोकेट ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की आज़ादी और एकता के लिए जीवन समर्पित किया, जबकि इंदिरा गांधी ने राष्ट्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर कियाकृउनका प्रत्येक त्याग देश को समर्पित है। कार्यक्रम में रमेश चंद्र गोंड, नरेश गौड़, विनय सिंह, अरुण सिंह, अधिवक्ता आर.पी. सिंह, मुजीब खां, करीम अंसारी, हरिशंकर गुप्ता, आयुष सिंह सहित अनेक समाजसेवी व कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत द्वारा गौशाला में गायों को माला पुष्प अर्चन कर हरा चारा व केला खिलाकर मनाया गोपाष्टमी कार्यक्रम'

'अटरिया सीतापुर'। विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत के द्वारा विकासखंड सिधौली के ग्राम पंचायत लहूरिवान में बने गौशाला में जाकर गायों को प्रांत संगठन मंत्री विजय प्रताप सिंह वी विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत द्वारा गाय माता को माला पहनाकर पुष्प अर्चन कर गौवंशों को फल, हरा चारा खिलाकर गोपाष्टमी कार्यक्रम मनाया गया। इस मौके पर प्रांत कार्यालय प्रमुख संतोष, धर्मेंद्र सिंह जिला उपाध्यक्ष जन्मेजय सिंह ,राजू बाबा ,सनोज मिश्रा, रणजीत सिंह, सुरेश प्रकाश सिंह प्रभाकर सिंह, संदीप मौर्य, विजय मौर्य, अंशु सिंह ,अप्पू सिंह ग्राम प्रधान ओमकार उर्फ़ पट्टे सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

महमूदाबाद में अपराधियों के हौसले बुलंद, पुलिस पर उठ रहे सवाल'

'महमूदाबाद सीतापुर'। महमूदाबाद में इन दिनों अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। क्षेत्र में चोरी, लूट, छीना–झपटी, सट्टा व देह व्यापार जैसी आपराधिक घटनाएं खुलेआम घट रही हैं। स्थानीय लोग कहने लगे हैं कृ "सैंया भये कोतवाल, अब डर काहे का", क्योंकि अपराधियों में कानून का कोई भय नजर नहीं आ रहा। पिछले कुछ दिनों में कई बड़ी चोरी की घटनाओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बीबीपुर निवासी फैज़ अब्बास के घर से लगभग दस लाख रुपये की चोरी हुई। इसके बाद टोला मोहल्ले में जाने आलम कुरैशी के घर भी करीब दस लाख की चोरी की वारदात सामने आई। वहीं पुरानी बाज़ार निवासी इरफान के घर से एक तोला सोना व शादी का घरेलू सामान चोरी हो गया कृ बताया जा रहा है कि उनके बेटे–बेटी की शादी की तैयारी चल रही थी। इसी क्रम में अमीरगंज निवासी हिमांशु वर्मा के घर से भी चोरों ने लगभग दस लाख रुपये मूल्य के जेवर व पचास हजार रुपये नकद उड़ा दिए। लगातार हो रही इन वारदातों से नगर में भय और असुरक्षा का माहौल है। लोगों का कहना है कि पुलिस गश्त केवल दिखावे की रह गई है, जबकि अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। नागरिकों ने उच्चाधिकारियों से मांग की है कि जल्द कार्रवाई कर अपराधियों को गिरफ्तार किया जाए और नगर में कानून–व्यवस्था बहाल की जाए।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील जयसिंहपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 27 प्राप्त जन शिकायतों का मौके पर किया गया निस्तारण

सुलतानपुर । जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह की उपस्थिति में तहसील जयसिंहपुर सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जिलाधिकारी महोदय द्वारा आए हुए फरियादियों की समस्याओं /शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुनकर उसका निस्तारण मौके पर उपस्थित अधिकारियों को किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन विभागों की शिकायतें आज प्राप्त हुई हैं, उन विभागों के अधिकारी सन्दर्भित प्रकरण को गंभीरता से देखे और उसका निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व विभाग के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारी अपने–अपने विभाग के प्रार्थना पत्रों का निस्तारण समयबद्ध ढंग से करना सुनिश्चित करें। जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी महोदय के समक्ष कुल–120 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें 27 शिकायतों का निस्तारण जिलाधिकारी महोदय द्वारा मौके पर उपस्थित अधिकारियों से कराया गया। शेष शिकायतों के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ससमय निस्तारण कर कृत कार्यवाही से अवगत करायें। इसी प्रकार अन्य समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कर जन शिकायतें सुनी गयी और सम्बन्धित तहसील स्तरीय अधिकारियों द्वारा निस्तारित किए गये। इस अवसर पर समस्त सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

'जनसुनवाई का उद्देश्य समस्याओं का प्रभावी समाधान निकालना - विजय रघुवंशी'

सुलतानपुर।भाजपा जिलाध्यक्ष ने पार्टी जिला कार्यालय पर हर दिवस जनसुनवाई की नई पहल की शुरुआत की है।इस पहल के दौरान प्रत्येक दिन जिला पदाधिकारी एवं सहयोग में मोर्चा के पदाधिकारियों को लगाया गया है।इसी क्रम में शनिवार को भाजपा जिला मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी दिवस प्रभारी के रुप में भाजपा जिला मुख्यालय पर मौजूद रहे। सहयोग में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला महामंत्री अयोध्या प्रसाद वर्मा,अशोक यादव व वीरेन्द्र भार्गव भी उपस्थित रहे। विजय सिंह रघुवंशी ने जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी जी द्वारा शुरू की गई नई पहल की सराहना की। उन्होंने कहा जनसुनवाई का उद्देश्य लोगों की समस्याओं को समझकर उनका प्रभावी समाधान निकालना है।शनिवार को जनसुनवाई के दौरान आई आधे दर्जन शिकायतें पुलिस, राजस्व व पंचायत से जुड़ी हुई थी।इस दौरान संबंधित विभागों से वार्ता कर समस्या को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने को कहा गया।शनिवार की अहिमाने के प्रमोद कुमार शर्मा, विजय पाल,पवन यादव आदि ने गनपत सहाय डिग्री कालेज से अहिमाने तक बंद हुई रोड लाइट को जलवाने का प्रार्थना पत्र दिया।आपको बता दें कार्यालय पर जन– सुनवाई हर दिवस प्रातः 11:00 बजे से 3:00 बजे तक की जाती है।

स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज, सुल्तानपुर में नवीन ऑपरेशन थियेटर कॉम्प्लेक्स का प्राचार्य ने किया लोकार्पण

सुल्तानपुर। स्वशासी राज्य मेडिकल कॉलेज, सुल्तानपुर में शनिवार को जनरल सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स एवं एनेस्थीसिया विभागों के नव–निर्मित ऑपरेशन थियेटर कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण किया गया। यह अवसर संस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं, सर्जिकल शिक्षा और चिकित्सा अधोसंरचना के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा हैकार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे डॉ. ए. के. सिंह, एम.बी.बी.एस., एम.एस. (जनरल सर्जरी), प्रोफेसर, जनरल सर्जरी विभाग।कॉलेज की नई अस्पताल भवन की द्वितीय मंजिल पर स्थित यह अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर कॉम्प्लेक्स आधुनिक सर्जिकल उपकरणों से सुसज्जित है, जो चिकित्सा विद्यार्थियों को उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने और रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ देने में सहायक होगाइस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. सलील श्रीवास्तव ने कहायह नया ऑपरेशन थियेटकॉम्प्लेक्स हमारे संस्थान की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, उन्नत सर्जिकल प्रशिक्षण एवं रोगी कल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह संपूर्ण कॉलेज परिवार के लिए गर्व का क्षण है।"कार्यक्रम में सीएमएस डॉ. आर. के. मिश्रा सहित अनेक संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

कमिश्नर भूपेंद्र कुमार का औचक निरीक्षण, जिला अस्पताल में मची हलचल

बरेली। तेजतर्रार कमिश्नर भूपेंद्र कुमार ने मंगलवार सुबह तड़के जिला अस्पताल बरेली का औचक निरीक्षण किया। उनके अचानक पहुंचते ही अस्पताल में तैनात कर्मचारियों और डॉक्टरों में हड़कंप मच गया। कमिश्नर ने सबसे पहले सीएमएस कार्यालय का निरीक्षण किया, इसके बाद ओपीडी, इमरजेंसी, महिला वार्ड, एक्स–रे और अल्ट्रासाउंड रूम का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से हालचाल पूछा और ओपीडी में रखी दवाओं की गुणवत्ता की भी जांच की। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर साफ–सफाई की कमी पाई गई, जिस पर कमिश्नर ने

कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए सुधार के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल की जर्जर इमारतों की मरम्मत कराने का आदेश भी दिया। कमिश्नर ने कहा कि मरीजों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए और जो डॉक्टर ड्यूटी पर देर से पहुंचे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम व अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। इस बीच अस्पताल में तैनात एक चौकीदार ने कमिश्नर को शिकायत की कि अस्पताल का एक बड़े बाबू निर्देश पाल पैसे लेकर सरकारी कमरे निजी लोगों को देता है और विरोध करने पर धमकी देता है। इस पर कमिश्नर ने तत्काल कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए और कहा कृ अस्पताल में दबंगई करने वाले कर्मचारी बख्शे नहीं जाएंगे।"

बरखेड़ा पुलिस ने नहीं सुनी फरियाद दलित महिला ने लगाई अधिकारियों से गुहार

बरखेड़ा।शोशल मीडिया पर बायरल ट्वीट के बाद बरखेड़ा पुलिस ने 10 दिन बाद दलित नाबालिग बालिका के दुष्कर्म की रिपोर्ट रातोरात आनन फानन में दर्ज की।पुलिस ने पीड़ित परिवार पर दबाब बनाने को पीड़ित बालिका के भाई को उसी दिन शांति भंग में जेल भेजा था। थाना बरखेड़ा के अंतर्गत चौकी जिरोनिया के एक गाँव निवासी दलित महिला ने पुलिस अधीक्षक को तहरीर देते हुये बताया कि दिनाँक 20 अक्टूबर की रात 7 बजे उसकी 12वर्षीय छोटी पुत्री घर का सामान लेने घर के पड़ोस में दुकान पर गयी थी ,20 मिनट तक घर बापस न आने पर मेरा पुत्र और मैं देखने निकले तो कुछ बच्चों ने जानकारी दी कि तुम्हारी पुत्री को करन पुत्र जवाहर लाल जबरदस्ती खींचकर ले गया हैं जिसके बाद उसके घर पहुचकर दरबाजा खटखटाया परन्तु दरबाजा न खुलने पर क्षेत्र की चौकी पर शिकायत करने जा रहे थे तभी गाँव के करन रास्ते मे मिल गया,उससे बहन बापस करने को कहा तो आरोपी ने जाति सूचक शब्दो के साथ गालियां देते हुये धमकी दी ,इसके बाद अगले दिन आरोपी के पिता जवाहरलाल मेरी पुत्री को थाने लेकर पहुँचा तो डरी सहमी पुत्री ने बताया कि मुझे बंधक बना कर करन पूरी रात दुष्कर्म करने के बाद धमकी दी कि अगर कोई शिकायत की तो तुझे ब तेरे परिवार को जान से मार दूंगा। पीड़िता के भाई ने मीडिया से बात करते हुये बताया कि घटना बाले दिन डायल 112 को सूचना के बाद पुलिस गाँव आकर आरोपियों का दरबाजा खुलबाती रही तब मेरी बहन को नही दिया जबकि सुबह आरोपी के पिता थाने लेकर पहुचे और पुलिस ने मेरी बहन को डरा धमका कर मेरे खिलाफ पीटने का आरोप लगाते हुये मुझे जेल भेजा। पीड़ित परिवार द्वारा चौकी फिर थाने में न्याय की गुहार लगाने के बाद पुलिस अधीक्षक का दरबाजा खटखटाया था।10 दिन तक इस घटना को छिपाये रखने की बजह किया थी इसकी काफी चर्चा है। मीडिया पर बायरल ट्वीट के बादअधिकारियों के आदेश के बाद कल गुरुवार की रात पीड़िता की तहरीर पर बरखेड़ा पुलिस ने आरोपी करन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार ने बराही पर्यटन गेट का फीता काटकर किया शुभारंभ, नए पर्यटन सत्र की हुई शुरुआत

पीलीभीत। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पर्यटन का नया सत्र शनिवार को शुरू हुआ। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, डॉ. अरुण कुमार ने बराही पर्यटन गेट पर हवन–पूजन कर और फीता काटकर सत्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने पौधारोपण किया और महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों का निरीक्षण करते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि इन समूहों के उत्पादों की बिक्री के लिए टाइगर रिजर्व परिसर में एक समर्पित काउंटर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे स्थानीय महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर मिलेगा। राज्यमंत्री ने कहा कि बराही गेट खुलने से पर्यटकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि सफारी गाड़ियों में स्थानीय चालकों और गाइडों को प्राथमिकता दी जाए और उन्हें उचित प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि पर्यटन अनुभव और बेहतर हो सके।कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री ने सफारी गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान, विधायक बीसलपुर विवेक वर्मा, पूरनपुर विधायक प्रतिनिधि रितुराज पासवान, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, और डीएफओ टाइगर रिजर्व सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का अनोखा प्रयास

बरेली। सीबीगंज क्षेत्र के छात्र आदित्य शंकर गंगवार ने आज सुबह शिव ज्ञान पब्लिक स्कूल में 220 घंटे लगातार बोलकर पढ़ने का अनोखा प्रयास शुरू किया। यह प्रयास गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने के लिए किया जा रहा है। वर्तमान में 216 घंटे का रिकॉर्ड नाइजीरिया के नाम दर्ज है। रिकॉर्ड की शुरुआत से पहले आदित्य ने अपने माता–पिता संग बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। स्कूल परिसर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और इस अनोखे प्रयास के देखने के लिए पहुँच रहे है। गिनीज़ नियमों के तहत प्रतिभागी को हर 60 मिनट बाद मात्र 5 मिनट का विश्राम मिलता है, पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग और दो स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। आदित्य के पिता शंकरलाल गंगवार ने बताया कि बेटा लंबे समय से तैयारी कर रहा है और मानसिक व शारीरिक रूप से पूरी तरह तैयार है। वह बेटे के प्रयास को लेकर गर्व महसूस कर रहे हैं। यदि आदित्य सफल हुए तो बरेली का नाम एक बार फिर विश्व स्तर पर रोशन होगा।

जिलाधिकारी ने पराली न जलाने के लिए प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी, किसानों से जैविक उपयोग की अपील

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने मंगलवार को गांधी सभागार से पराली न जलाने के लिए जनजागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से अपील की कि वे पराली को जलाने के बजाय जैविक खाद या पशु चारे के रूप में उपयोग करें ताकि मिट्टी की उर्वरकता बनी रहे और प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषण, मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट और जनस्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए किसान भाई आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर पराली प्रबंधन करें। उप कृषि निदेशक इंजीनियर कौशल किशोर ने बताया कि पराली प्रबंधन हेतु सुपर एसएमएस, स्ट्रा रेक, बेलर, मल्चर, पैडी स्ट्रा चॉपर, श्रब मास्टर, रोटरी स्लेशर, रिवर्सिबल एमबी प्लाऊ जैसे उपकरणों का प्रयोग किया जाए ताकि फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाया जा सके या अन्य उपयोग में लाया जा सके। उन्होंने बताया कि यदि कोई किसान बिना पराली हटाए जीरो टिल सीड कम फर्टी ड्रिल, हैपी सीडर या सुपर सीडर का प्रयोग कर सीधे बुवाई करना चाहता है तो उसे इस संबंध में घोषणापत्र संबंधित कृषि अधिकारी को देना होगा कि वह पराली नहीं जलाएगा। पराली जलाने पर हुई कार्रवाई वर्ष 2023 में पराली जलाने पर जिले के 75 किसानों से घ2,10,000 और वर्ष 2024 में 18 किसानों से घ72,500 अर्थदंड वसूला गया।

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई,4 किलो 131 ग्राम अफीम के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार

बरेली। एसटीएफ बरेली यूनिट ने मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए चार किलो 131 ग्राम अफीम के साथ छह तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी जा रही है। एसटीएफ की टीम ने यह कार्रवाई कैंट थाना क्षेत्र के विजय द्वार के पास की, जहां तस्कर अफीम की डिलीवरी देने पहुंचे थे। तलाशी के दौरान टीम ने तस्करों के पास से दो कारें, छह मोबाइल फोन और 4,340 रुपये नगद भी बरामद किए। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ये तस्कर पंजाब, हरियाणा और बरेली क्षेत्र में अफीम की सप्लाई करते थे। एसटीएफ ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर विस्तृत पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है और शीघ्र ही पूरे गिरोह का खुलासा किया जाएगा। एसटीएफ की इस सफलता से मादक पदार्थ तस्करी पर बड़ा प्रहार माना जा रहा है।

पीलीभीतरू एआरटीओ की बड़ी कार्रवाई, नियम तोड़ने वाली बसें सीज, 1.57 लाख का जुर्माना वसूला

पीलीभीत। जनपद में एआरटीओ वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में बुधवार को अनाधिकृत व नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जिले के विभिन्न मार्गों पर परिवहन नियमों की गहन जांच की गई। चेकिंग में कई बसें क्षमता से अधिक सवारियों को बैठाकर व परमिट शर्तों का उल्लंघन करते हुए संचालित होती पाई गईं। कार्रवाई के दौरान जम्मू–कश्मीर नंबर की एक बस को अधिक सवारियां बैठाने और परमिट शर्तों का उल्लंघन करने पर पूरनपुर गेट पुलिस चौकी में सीज कर दिया गया। इसी तरह नागालैंड नंबर की एक स्लीपर बस, जिसमें न केवल अधिक सवारियां थीं बल्कि ऊपर तक सामान लादकर खतरनाक तरीके से चलाई जा रही थी, को थाना गजरौला में सीज किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि बस में मानक के विपरीत सीटें बढ़ाई गई थीं और आपातकालीन निकास (म्उमतहमदबल ळंजम) तक नहीं था। इस पर तकनीकी निरीक्षण हेतु एआरटीओ तकनीकी वैभव सोती को निर्देशित किया गया है। इसके अलावा अन्य राज्यों से संचालित तीन और बसों के खिलाफ भी क्षमता से अधिक सवारी व परमिट शर्तों के उल्लंघन में चालान की कार्रवाई की गई। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि आज की गई प्रवर्तन कार्रवाई में दो बसें सीज की गईं, तीन बसों के खिलाफ चालान हुआ, और कुल घ1,57,000 का प्रशमन शुल्क (जुर्माना) वसूला गया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वाली किसी भी बस या वाहन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

एक्सप्रेस व्यूज
(हिन्दी मासिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मोहित कुमार द्वारा ए. के प्रिंटर्स, मोहल्ला भूरे खां, पीलीभीत से मुद्रित कराकर म.नं. 87, मोहल्ला थान सिंह पीलीभीत (उ0प्र0) 262001 से प्रकाशित किया गया।
सम्पादक
मोहित कुमार
नोट : सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पीलीभीत न्यायालय होगा।

संपादकीय

जहरीली हवा में घुटती सांसें

दशकों से मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग तथा संगठन, जिस प्रदूषण संकट के प्रति चेताते रहे हैं, उसके घातक परिणाम अब साफ सामने नजर आने लगे हैं। विडंबना यह है कि देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े-छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल-कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं, लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगितयां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो।

निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की तसवीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है, आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं, जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं। व्यवस्था का भ्रष्टाचार नियामक एजेंसियों को हिलने तक नहीं देता। दरअसल, यह प्रदूषण मौसमी बदलाव, पटाखों या पराली जलाने से ही नहीं पैदा होता। दरअसल, इसके मूल में शासन-प्रशासन की वह विफलता भी शामिल है, जो वातावरण को जहरीला बनाने वाले उद्योगों तथा निर्माण में उड़ने वाली धूल की सतर्क निगरानी नहीं करती। दरअसल, हमारे जीवन की कृत्रिमता व सुविधाभोगी जीवनशैली ने उन घातक गैसों को बढ़ावा दिया जो ग्लोबल वार्मिंग व प्रदूषण की कारक बनती हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि देश की जनता इस आसन्न संकट के प्रति लगातार उदासीन बनी रहती है। वह चुनावों के दौरान न तो राजनेताओं पर इस संकट के समाधान के लिये दबाव बनाती है और न ही निजी जीवन में ऐसी कोई पहल करती है। इस तरह कहीं न कहीं इस प्रदूषण वृद्धि में हमारी भागीदारी बनी हुई है। अब भले ही कार्बन उत्सर्जित करने वाले ईंधन के उपयोग में कमी आई है, लेकिन अभी भी इस दिशा में काम करने की जरूरत है। हम निजी जीवन में जितनी स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देंगे, उतना ही प्रदूषण धीरे-धीरे कम होता जाएगा। जनता को शासन-प्रशासन पर दबाव बनाना चाहिए कि वह समय रहते प्रदूषण नियंत्रण के लिये प्रयास करे। व्यक्ति के तौर पर हमें पटाखे व पराली जलाने वालों की निगरानी करनी होगी, ताकि प्रदूषण का स्तर कम करने में हमारी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

दलित राजनीति को चाहिए एक नया रेडिकल एजंडा

एस आर दारापुरी

डा. अंबेडकर दलित राजनीति के जनक माने जाते हैं। उन्होंने ही सबसे पहले 1936 में स्वतंत्र मजदूर पार्टी, 1942 में शैडयूलड कास्ट्स फेडरेशन और 1956 में रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया (आरपीआई) बनाई थी। इन पार्टियों में एक खास बात यह थी कि शैडयूलड कास्ट्स फेडरेशन को छोड़ कर कोई भी पार्टी जाति आधारित नहीं थी। इन सभी पार्टियों का एजंडा व्यापक था जिसके केंद्र में दलित एजंडा था। यह भी सत्य है कि डा अंबेडकर ने कभी भी जाति के नाम पर वोट नहीं मांग था सिवाय शैडयूलड कास्ट्स मास्टर की है? अब तक के अनुभव ने इसे गलत सिद्ध कर दिया है। उत्तर प्रदेश इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह भी सही है कि बाद में बाबासाहेब ने राजनीतिक सत्ता को दलितों की समस्याओं की चाबी भी कहा था परंतु उसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि राजनीतिक सत्ता का इस्तेमाल समाज के विकास के लिये किया जाना चाहिये। परंतु व्यवहार में उसका अधिकतर इस्तेमाल समाज के विकास की जगह व्यक्तिगत विकास के लिये ही किया गया। मायावती इसकी सब से बड़ी मिसाल है। अतः राजनीतिक सत्ता के साथ साथ समाज के

फेडरेशन के। डा. अंबेडकर के निर्वाण के बाद 1957 से 1962 तक आरपीआई एजंडा आधारित राजनीति करती रही तब तक उसकी उपलब्धियां काफी अच्छी रहीं परंतु बाद में कांग्रेस द्वारा दलित नेताओं को लालच देकर फोड़ लिया गया और आरपीआई कई टुकड़ों में बाँट कर बिखर गई। आरपीआई के विघटन के बाद उत्तर भारत में कांशीराम ने बहुजन समाज पार्टी का गठन किया और घोर दलित विरोधी पार्टी भाजपा से हाथ मिला कर तीन बार तथा एक बार स्वतंत्र तौर पर सरकार बनाई। इस पार्टी की सबसे बड़ी कमी इसका कोई भी एजंडा न होना था और न ही कोई सिद्धांत। कांशीराम जाति को काटने के लिए जाति का इस्तेमाल तथा अवसरवादी होने पर गर्व महसूस करते थे। भाजपा के साथ अवसरवादी एवं सिद्धांतहीन गठजोड़ करने का नतीजा यह हुआ कि उत्तर भारत में भाजपा तो निरंतर मजबूत होती गई और बसपा निरंतर कमजोर। वर्तमान में बसपा अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। बसपा के प्रयोग से यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो गई है कि जाति की राजनीति करने वाली पार्टी बहुत समय तक नहीं चल सकती है। यह केवल एजंडा एवं सिद्धांत ही हैं जो किसी पार्टी को बिखरने से बचाए रखते हैं। यह भी स्थापित सत्य है कि जाति की राजनीति हिन्दुत्व की राजनीति को ही मजबूत करती है जैसाकि वर्तमान में हुआ भी है। कांशीराम राजनीतिक सत्ता को गुरुकिल्ली अर्थात सब समस्याओं का इलाज कहते थे। इसके विपरीत डॉ. बाबासाहेब का मत था कि राजनीतिक सत्ता शोषित वर्ग के सभी दुःखों का विनाश करने की गुरुकिल्ली नहीं हो सकती। उनकी मुक्ति उन द्वारा उच्च सामाजिक दर्जा हासिल करने में ही है।ह्न क्या अब भी कहेंगे कि पॉलिटिकल पावर ही विकास का एजेन्डा होना भी जरूरी है जोकि बहुजन की राजनीति में बिल्कुल गायब रहा है। अतः अब अगर दलित राजनीति को अपने आप को पुनर्स्थापित करना है तो उसे सिद्धांत की राजनीति तथा एक रेडिकल दलित एजंडा अपनाना होगा। उस एजंडे की रूपरेखा निम्न हो सकती है-गरीबी एवं बेरोजगारी नीति आयोग की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार 42ः ब दलित परिवार गरीबी रेखा से नीचे हैं जब कि राष्ट्रीय औसत 20ः है। च्स्थै 2023-24 के अनुसार एससी के लिए बेरोजगारी दर 7.8ः जबकि राष्ट्रीय दर 5.8ः है । 70ः दलित दिहाड़ी मजदूरी या कृषि मजदूरी में हैं।2011 की जनगणना के अनुसार केवल 4.88ः दलित सरकारी तथा 2.42 प्राइवेट नौकरी में हैं। आय की दृष्टि से 83.6ः दलितों की मासिक आय 5000 से कम, 11.7ः की 5000 से 10,000 तक तथा केवल 4.7ः की आय 10,000 से अधिक है।अतः गरीबी उन्मूलन एवं बेरोजगारी दलित राजनीति का प्रमुख मुद्दा होना चाहिए। 2011 की जनगणना के अनुसार केवल 18.41ः दलितों के पास असिंचित एवं 17.41ः के पास सिंचित तथा 6.98ः के पास अन्य भूमि है। इनमें से 60ः दलितों के पास 1 एकड़ से भी कम भूमि है। इस प्रकार अधिकतर दलित लघु एवं सीमांत कृषक हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण सूखाग्रस्त क्षेत्रों में प्रभावित होने वाले किसानों में 80ः दलित किसान होते हैं। अतः भूमिहीन दलितों के लिए भूमि आवंटन (आवासीय तथा कृषि भूमि पट्टे) का मुद्दा अति महत्वपूर्ण है जो एक प्रमुख राजनीतिक मांग होना चाहिए। एनसीआरबी की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार दलितों के खिलाफ अपराध के 54,750 मामले दर्ज किए गए जो 2022 के मुकाबले से 7ः अधिक हैं। इनमें 4,800 बलात्कार और 1,200 हत्याएं शामिल हैं। इसमें उत्तर प्रदेश (25ः), राजस्थान (15ः), और बिहार (12ः) में आधे से ज्यादा मामले हैं। एससीध्एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दोषसिद्धि दर केवल 32ः है, जो पुलिस के पूर्वाग्रह और गवाहों को डराने-धमकाने के कारण है। एमनेस्टी इंटरनेशनल (2024) ने अकेले तमिलनाडु में 200 से ज्यादा ऐसे मामले दर्ज किए हैं जिनकी रिपोर्ट नहीं की गई। वर्तमान में हर 18 मिनट में एक दलित के खिलाफ अपराध होता है, जिसमें रोजाना 13 हत्याएं होती हैं। अतः दलितों पर होने वाले अत्याचार को रोकने के लिए एससीध्एसटी एक्ट को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग दलित राजनीति के एजंडा पर होनी चाहिए।ग्रामीण डेटा एवं इंडिया ह्यूमन डेवलपमेंट सर्वे 2024 के अनुसार 40ः गाँवों में 25-30ः दलितों को मंदिरोंध्पानी के स्रोतों में प्रवेश पर रोक का सामना करना पड़ता है।इसी प्रकार शहरों में 2023 के अध्ययन के अनुसार दिल्ली में 70ः मकान मालिक दलित किरायेदारों को मकान देने से मना करते हैं।सुप्रीम कोर्ट (2024) ने एससी कोटा के उप-वर्गीकरण को बरकरार रखा लेकिन कहा कि ष्श्रेणीबद्ध असमानताष बनी हुई है। दलित महिलाओं को तिहरे भेदभाव (जाति-लिंग-गरीबी) का सामना करना पड़ता है।सफाई कर्मचारी आंदोलन की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार गटर सफाई से होने वाली सालाना 50-70 मौतें, ऑनर किलिंग, और अंतर-जातीय संबंधों या गौ रक्षा को लेकर भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्याएं आम बात है। अतः छुआछूत एवं भेदभाव निवारण का मुद्दा भी दलित राजनीति के केंद्र में होना चाहिए। राष्ट्रीय, जनगणना 2011-5 के अनुसार दलितों की साक्षरता दर 66.1ः है जबकि राष्ट्रीय दर 73ः है। इसके अतिरिक्त दलित बच्चों का कक्षा 8 के बाद ड्रॉपआउट दर 2 गुना ज्यादा है। (एआईएसएचई 2023) के अनुसार उच्च शिक्षा में केवल 7ः दलित छात्र हैं। सामाजिक न्याय मंत्रालय की 2023 की ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार 40ः दलित छात्रों को छात्रवृत्ति मिलने में देरी होती है जिससे उन्हें अपनी पढ़ाई चालू रखने में बड़ी कठिनाई होती है। इधर मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं अन्य व्यावसायिक कोर्सेस की फीस कई गुण बढ़ा दी गई है जिसे दलित छात्रों के लिए देना बहुत मुश्किल होता है।

इस एकादशी पर जरूर करें इन 5 विष्णु मंदिरों के दर्शन

होगी श्रीहरि की कृपा

एकादशी के पावन दिन पर करें भारत के पांच प्रमुख विष्णु मंदिरों के दर्शन । बद्रीनाथ, तिरुपति बालाजी, जगन्नाथ, द्वारकाधीश और श्रीरंगम मंदिर की दिव्यता जानें। हिंदू धर्म में भगवान विष्णु को सृष्टि के पालनहार कहा गया है। मान्यता है कि एकादशी व्रत और श्रीहरि के दर्शन से व्यक्ति के सारे पाप मिट जाते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। देव उठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु चार माह की निद्रा के बाद उठते हैं। ऐसे में इस पर्व का महत्व बढ़ जाता है। इस दिन शालीग्राम जो कि भगवान विष्णु का ही एक रूप है, का विवाह माता तुलसी से होता है। भारत में भगवान विष्णु के अनगिनत मंदिर हैं, लेकिन कुछ ऐसे हैं जिनकी महिमा और ऐतिहासिक महत्व अनोखा है। एकादशी के दिन इन पांच मंदिरों के दर्शन करने से मन को शांति और ईश्वर की कृपा दोनों मिलती हैं। एकादशी का व्रत और इन पवित्र मंदिरों का दर्शन आत्मा को शुद्ध करता है और जीवन में आध्यात्मिक प्रकाश लाता है।

बद्रीनाथ धाम, उत्तराखंड

चार धामों में प्रमुख बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु का सबसे प्रसिद्ध तीर्थ है। यह मंदिर अलकनंदा नदी के तट पर स्थित है और माना जाता है कि स्वयं विष्णु यहां तपस्या में लीन रहते हैं।

श्री रंगनाथस्वामी मंदिर, श्रीरंगम, तमिलनाडु

यह दक्षिण भारत का सबसे विशाल विष्णु मंदिर है। यहां भगवान विष्णु अनंत शयन मुद्रा में विराजमान हैं। हर एकादशी पर यहाँ भव्य उत्सव होता है।

तिरुपति बालाजी मंदिर, आंध्र प्रदेश

विश्व प्रसिद्ध यह मंदिर तिरुमला पहाड़ियों पर स्थित है। यहां श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

जगन्नाथ मंदिर, पुरी, ओडिशा

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को समर्पित यह मंदिर चार धामों में से एक है। एकादशी पर यहाँ विशेष पूजा और भोग का आयोजन होता है।

द्वारकाधीश मंदिर, गुजरात

भगवान कृष्ण के रूप में विष्णु की आराधना का यह प्रमुख केंद्र है। द्वारका के इस मंदिर में एकादशी को विशेष आरती और दीपदान का महत्त्व है।

वीगन डाइट में आयरन के चार सबसे अच्छे स्रोत, जो नहीं होने देंगे खून की कमी

जो लोग वीगन होते हैं, उनमें अक्सर आयरन कमी देखने को मिलती है। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह यह है कि वो बहुत से लोगों को यह मालूम ही नहीं है कि वीगन डाइट में कई आयरन रिच फूड प्रोडक्ट होते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। हर साल एक 1 नवंबर को वर्ल्ड वीगन डे मनाया जाता है। इन दिन का मनाने का उद्देश्य लोगों को वीगन के बारे में जागरूक करना है। वीगन डाइट पूरी तरह से पौधों पर आधारित होती है। इस डाइट की खास बात यह है कि इसमें मांस, डेयरी और अंडे जैसे सभी पशु उत्पादों का सेवन नहीं किया जाता है। यहां तक की शहद तक का सेवन नहीं किया जाता है। ऐसे में विगन लोगों में अक्सर आयरन की कमी देखने को मिलती है, जिसकी वजह से एनीमिया (खून की कमी) और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में आइए इस लेख में कुछ ऐसे वीगन फूड प्रोडक्ट के बारे में जानते हैं जो आयरन से भरपूर होते हैं और शरीर की दैनिक जरूरत को आसानी से पूरा कर सकते हैं। वीगन डाइट में आयरन के इन शाकाहारी स्रोतों को सही तरीके से डाइट में शामिल करने से न सिर्फ खून की कमी दूर होती है, बल्कि एनर्जी लेवल भी बना रहता है। इसके लिए बस यह जानना जरूरी है कि कौन से खाद्य पदार्थ आयरन से भरपूर है और उन्हें कै से खाया जाए ताकि उनका अवशोषण अधिकतम हो सके। आइए इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

दालें और फलियां हैं आयरन का खजाना

वीगन लोगों के लिए आयरन का सबसे जरूरी स्रोत दालें, छोले (चना), राजमा और सोयाबीन हैं। ये फलियां आयरन से भरपूर होती हैं। उदाहरण के लिए, एक कप पकी हुई दाल से लगभग 6.6 मिलीग्राम आयरन मिल सकता है। इसलिए आपको इसे रोजाना अपने खाने में शामिल करना चाहिए। इन चीजों को अपनी डाइट का नियमित हिस्सा बनाकर आप आसानी से खून की कमी (एनीमिया) को दूर कर सकते हैं और शरीर को ताकत दे सकते हैं।

कद्दू के बीज और तिल की शक्ति

छोटे दिखने वाले कद्दू के बीज और तिल आयरन के अद्भुत पावरहाउस हैं। कद्दू के बीज में प्रति 100 ग्राम 15 मिलीग्राम तक आयरन होता है, जो बहुत बड़ी मात्रा है। आप इन्हें रोजाना भूनकर सलाद, दलिया (ओटमील) या स्मूदी में मिलाकर खा सकते हैं। ये बीज आयरन के साथ-साथ अन्य जरूरी मिनरल्स भी देते हैं, जो आपको पूरे दिन ऊजार्वान बनाए रखते हैं।

हरी सब्जियां और विटामिन सी

आयरन के लिए सिर्फ पालक ही नहीं, बल्कि केल और सरसों का साग जैसी गहरी हरी पत्तियां भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। इनमें जो आयरन होता है, उसे नॉन-हीम आयरन कहते हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि इस नॉन-हीम आयरन को शरीर तभी अच्छे से सोखता है जब इसे विटामिन सी के साथ खाया जाए। इसलिए हरी सब्जी के साथ नींबू का रस निचोड़कर जरूर खाएं।

खजूर और गुड़ का कॉम्बो

सूखे मेवों में खजूर, किशमिश और अंजीर खून बढ़ाने में बहुत असरदार होते हैं। ये प्राकृतिक रूप से आयरन से भरे होते हैं। इसके अलावा, गुड़ भी आयरन का बेहतरीन स्रोत है। रोजाना इनका सेवन करने से आपका हीमोग्लोबिन का स्तर तेजी से बढ़ता है और रोगमुक्त हो सकते हैं।

सीढ़ियां चढ़ते ही हांफने लगते हैं? ये किसी गंभीर बीमारी का इशारा तो नहीं

अक्सर लोगों को थोड़ा मेहनत करते हैं सांस फूलने की समस्या होती है, ध्यान देने वाली बात यह है कि अब यह परेशानी कम उम्र के लोगों में भी देखने को मिलती है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। सीढ़ियां चढ़ना या थोड़ी तेजी से टहलना एक सामान्य शारीरिक गतिविधि है। लेकिन अगर आप थोड़ी-सी सीढ़ियां चढ़ते ही हांफने लगते हैं, तेज थकान महसूस करते हैं, या आपको सांस लेने में दिक्कत होने लगती है, तो इसे महज थकान या फिटनेस की कमी समझकर अनदेखा न करें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, यह अक्सर हृदय या फेफड़ों से संबंधित गंभीर समस्याओं का एक शुरूआती और स्पष्ट संकेत हो सकता है। यह लक्षण बताता है कि आपके हृदय को शरीर की जरूरतों के हिसाब से पूरे शरीर में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन युक्त रक्त को पंप करने में मुश्किल हो रही है। जब हृदय कमजोर होता है (जैसे कन्जेस्टिव हार्ट फेलियर की शुरूआत में), तो वह मांसपेशियों तक ऑक्सीजन नहीं पहुंचा पाता, जिससे थोड़ी सी मेहनत पर भी सांस फूलने लगती है। इस लक्षण को समय पर पहचानना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह आपके शरीर की एक बड़ी चेतावनी है जिसे तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

सांस फूलना और दिल का संबंध

सांस फूलने का पहला कारण यह है कि आपके हृदय की मांसपेशियों को पर्याप्त खून (रक्त) नहीं मिल रहा है। इसे मायोकार्डियल इस्किमिया कहते हैं। जब दिल को जरूरी ऑक्सीजन नहीं मिलती, तो वह शरीर की ऑक्सीजन की मांग पूरी करने के लिए तेजी से धड़कना शुरू कर देता है। इसी वजह से थोड़ी सी मेहनत पर भी आपकी सांस बहुत तेजी से फूलने लगती है। यह लक्षण बताता है कि आपके दिल पर ज्यादा दबाव पड़ रहा है।

थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर सांस फूलने के साथ-साथ आपको बिना किसी वजह के लगातार थकान और कमजोरी महसूस होती है, तो यह भी दिल की समस्या का गंभीर संकेत हो सकता है। जब हृदय खून को ठीक से पंप नहीं कर पाता, तो आपकी मांसपेशियों को काम करने के लिए जरूरी पोषण और ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। इसी कारण आपको सामान्य काम करने में भी अधिक मेहनत लगता है।

पैरों और टखनों में सूजन

सांस फूलने के साथ अगर आपके पैरों, टखनों या तलवों में सूजन दिखाई दे, तो इसे अनदेखा न करें। यह एक सीधी चेतावनी है। सूजन इसलिए आती है क्योंकि आपका दिल खून को वापस ऊपर खींचने में कमजोर पड़ रहा होता है, जिससे तरल पदार्थ निचले अंगों में जमा होने लगता है। यह स्पष्ट संकेत है कि आपको तुरंत हृदय रोग विशेषज्ञ से जांच करानी चाहिए।

कुछ लोगों में, खासकर रात को सोते समय, अचानक तेज खांसी आना या घबराहट महसूस होना भी हृदय की समस्या का लक्षण हो सकता है। यह अक्सर फेफड़ों में तरल पदार्थ जमा होने का संकेत होता है, जो हार्ट फेलियर के जोखिम को बढ़ा देता है। अगर ये सभी को लक्षण किसी को दिख रहे हैं तो ये स्पष्ट संकेत है कि आपके हृदय को तत्काल जांच और बिना देरी किए चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है।

भूमाफियाओं का नया पैंतरा: अब पत्रकारिता की आड़ में चल रहे उल्टे धंधे, जिले में 'फर्जी कलमकारों' का फैला जाल

पीलीभीत। पत्रकारिता, जिसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, अब कुछ शातिर तत्वों के लिए ढाल बनती जा रही है। जिले में ऐसे कई लोग उभरकर सामने आए हैं जिनका न तो पत्रकारिता से कोई सरोकार है, न ही किसी मीडिया संस्थान से वास्तविक जुड़ाव, फिर भी वे खुद को पत्रकार बताकर मैदान में सक्रिय हैं। सूत्रों के अनुसार, भूमाफियाओं ने अब अपने अवैध कारोबार को वैधता का आवरण देने के लिए पत्रकारिता का सहारा लेना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि इन लोगों ने कई पंजिकृत और गैर–पंजीकृत पत्रकार संगठनों से सांठगांठ कर 'पत्रकार परिचय पत्र' हासिल कर लिए हैं। ताकि प्रशासनिक कार्यवाही या पुलिस जांच के दौरान 'पत्रकार' होने की आड़ में बचाव पा सकें। इन फर्जी पत्रकारों का उद्देश्य खबर लिखना या समाज के मुद्दे उठाना नहीं, बल्कि अपनी जमीनों पर कब्जे और अवैध सौदों को सुरक्षित रखना है। विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि कुछ संगठन भी इस खेल में अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं, जो कुछ रुपये लेकर ऐसे लोगों को पहचान पत्र जारी कर देते हैं। पीलीभीत में यह प्रवृत्ति इतनी तेजी से बढ़ रही है कि असली पत्रकारों की छवि धूमिल होने लगी है। कई ईमानदार पत्रकारों ने इस पर नाराजगी जताते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से सख्त कार्रवाई की मांग की है। वरिष्ठ पत्रकारों का मानना है कि यदि जल्द कार्रवाई न हुई तो पत्रकारिता का यह पवित्र पेशा भूमाफियाओं और फर्जी कलमकारों की गिरफ्त में पूरी तरह आ सकता है। अब सवाल यह है कृ क्या प्रशासन ऐसे 'पत्रकारों' की पहचान कर कार्रवाई करेगा या फिर कलम की साख यूं ही दागदार होती रहेगी?

तौकीर रजा के खिलाफ बहू निदा खान ने खोला मोर्चा, लगाए गंभीर आरोप

बरेली।मौलाना तौकीर रजा के खिलाफ उनके खानदान की बहू रह चुकीं निदा खान ने खुलकर मोर्चा खोल दिया है। निदा खान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर तौकीर रजा और उनके संगठन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। निदा खान ने कहा कि "तौकीर रजा के संगठन की सोच तालिबानी है और वही सोच समाज में नफरत फैलाने का काम कर रही है।" उन्होंने आरोप लगाया कि तौकीर रजा को आज जो परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं, वह उनके अपने कर्मों का फल है। निदा खान ने कहा कि "तौकीर रजा की वजह से तमाम मुस्लिम समाज बर्बाद हुआ है। उनकी गिरफ्तारी के बाद से मुझे लगातार धमकियाँ मिल रही हैं। अंजान नंबरों से फोन कर डराने–धमकाने की कोशिश की जा रही है। यदि मुझे कुछ हुआ तो इसका जिम्मेदार तौकीर रजा ही होगा।" निदा खान इस समय आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी नाम से सामाजिक संस्था चला रही हैं। उन्होंने समाज में महिलाओं के अधिकारों और न्याय के लिए कई बार आवाज उठाई है। ज्ञात हो कि निदा खान की शादी पहले मौलाना तौकीर रजा के परिवार में हुई थी, लेकिन कुछ वर्षों से उनका अपने पति से विवाद चल रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मामला एक बार फिर राजनीतिक और धार्मिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है।

लापरवाही से इलाज करने से हुई मौत के मामले मे कोर्ट ने डॉक्टर शैलेन्द्र गंगवार को माना धारा 304 का अभियुक्त

बरखेड़ा। कोर्ट ने पीलीभीत के सर्जन डॉक्टर शैलेंद्र गंगवार के विरुद्ध ऑपरेशन के समय बरती गई लापरवाही के चलते मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। सन 2019 में बरखेड़ा कस्बा निवासी विमलेश कुमार ने अपनी गर्भवती पत्नी रीना देवी को डॉक्टर शैलेंद्र के अस्पताल में प्रसव पीड़ा के दौरान भर्ती किया था ।23 अक्टूबर 2019 को रीना देवी का ऑपरेशन किया गया जिसमें उन्होंने दो जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। परंतु बच्चों के जन्म के बाद भी रीना देवी को होश नहीं आया 24 अक्टूबर को लगातार बेहोशी के चलते रीना देवी कोमा में चलीं गई। रीना देवी के पति विमलेश कुमार ने बताया कि डॉक्टर शैलेंद्र ने कहा कि रीना देवी को पीलिया की शिकायत है तथा उन्हें हायर सेंटर में दिखने की सलाह दी ।विमलेश कुमार अपनी पत्नी को फौरन ही बरेली के मेडिसिटी अस्पताल में ले गए जहां उनकी पत्नी रीना देवी की कोमा में रहते ही 29 अक्टूबर 2019 को मृत्यु हो गई थी। मृत्यु के बाद विमलेश कुमार ने डॉक्टर शैलेंद्र पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए न्यायालय में शिकायत दर्ज कराई थी जिसके संबंध में न्यायालय ने सीएमओ को एक पैनल गठित करके मामले की जांच करने के आदेश दिए थे सीएमओ द्वारा गठित किए गए डॉक्टर पैनल में डॉ राधेश्याम यादव, डॉक्टर के के जोहरी और डॉ राजेश ने जब डॉक्टर शैलेंद्र से पूछताछ की तो उसमें सामने आया कि एनेस्थीसिया देने वाले डॉक्टर का नाम डॉक्टर शैलेंद्र नहीं बता पाए जिससे यह माना गया कि किसी अप्रशिक्षित द्वारा एनेस्थीसिया देने के कारण अत्यधिक बेहोशी के चलते मरीज की मौत होना संभव है इस रिपोर्ट के आने के बाद न्यायालय ने माना की डॉक्टर शैलेन्द्र गंगवार द्वारा ये जानते हुये की मेरे द्वारा बिना किसी प्रशिक्षित निश्चेतक के निश्चेतना देना और बिना किसी प्रसूती एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ के प्रसव कराने से मरीज की जान को खतरा हो सकता है फिर भी आपरेशन किया गया इसलिए बिना निश्चेतक होते हुए भी उसके द्वारा रीना देवी का बिना निश्चेतक विशेषज्ञ डॉक्टर को साथ लिए आपरेशन किया गया और ऐसा कार्य व आचरणकिया गया जो की भारतीय दंड संहिता की धारा 304 की परिधि में आपराधिक मानव वध के अपराध का आवश्यक तत्व गठित करता है इस प्रकार अभियुक्त को उपरोक्त तत्व परिस्थितियों पर आए तथ्य के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 304 के अंतर्गत तलब कियाजाने का पर्याप्त आधार दर्शित होता है जिसके लिए अभियुक्त डॉक्टर शैलेंद्र गंगवार को धारा 304 भारतीय दंड संहिता के अपराध में विचरण हेतु तलब किये जाने का आधार पर्याप्त है।

दो शिक्षकों पर मुकदमा दर्ज कराने वाले बीईओ का रिश्वत मांगने का ऑडियो वायरल, शिक्षा विभाग में हड़कंप

बरेली। आंवला थाना क्षेत्र के रामनगर ब्लॉक में तैनात खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) राकेश कुमार इन दिनों गंभीर आरोपों में घिरे हैं। दो शिक्षकों पर रंगदारी के तहत 10 लाख रुपये की मांग और ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाने वाले बीईओ का रिश्वत मांगने का ऑडियो वायरल हो गया है। जानकारी के अनुसार, वायरल ऑडियो में बीईओ राकेश कुमार मिड डे मील, सीएल स्वीकृति और अन्य कार्यों के नाम पर रिश्वत मांगते सुनाई दे रहे हैं। ऑडियो सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। दो शिक्षकों ने बीईओ पर गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और बीएसए से शिकायत की है। आरोप है कि बीईओ ने पहले उन्हें धमकाया, फिर 10 लाख रुपये न देने पर रंगदारी का मुकदमा दर्ज करा दिया। फिलहाल मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा विभाग के अधिकारी इस वायरल ऑडियो की प्रामाणिकता की जांच में जुटे हुए हैं, वहीं शिक्षक वर्ग में आक्रोश का माहौल है।

ट्रैक्टर की टक्कर से साईकिल सवार एक युवक की मौत

बरखेड़ा। क्षेत्र के रामपुरा रोड पर गन्ने से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में साइकिल सवार एक युवक की मौके पर मौत हो गई। वहीं साईकिल पर सवार दूसरा युवक घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक मृतक युवक की पहचान करन कुमार पुत्र राम भजन उम्र 22 वर्ष निवासी गांव रमपुरा नत्थू थाना बरखेड़ा के रूप में हुई है। वहीं साईकिल पर सवार दूसरा युवक मुकेश भी गंभीर रूप से घायल हो गया है। हादसे की सूचना मिलने पर मृतक युवक के परिवार में चीख – पुकार मच गई। वहीं सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरखेड़ा में भिजवाया।

कैंटोनमेंट बोर्ड ने अवैध निर्माण पर चलाया बुलडोजर

बरेली। बरेली में बबाल के बाद अब बीडीए और नगर निगम के अतिक्रमण और अवैध कब्जे हटाओ अभियान के बाद अब कैंटोनमेंट बोर्ड ने भी कमर कस ली है, जिसके तहत बरेली कैंट क्षेत्र के सदर बाजार में अवैध निर्माण का ध्वस्तिकरण किया गया, लंबे समय से इनको नोटिस जारी किया जा रहा था, यह तमाम कैंट क्षेत्र को अवैध कब्जा यहां मुस्लिम लोगों के द्वारा कर लिया गया था , जिनको कई वर्षों से लगातार कैंटोनमेंट बोर्ड के द्वारा नोटिस जारी किया जा रहा था, पर इनके कानों पर जू नहीं रेंग रहा जिसके तहत, इन्होंने नाले के ऊपर भी कब्जा कर रखा था और इसी के साथ इन्होंने तमाम कैंटोनमेंट बोर्ड की जो खाली जगह थी उन पर भी कब्जा करके अवैध निर्माण कर लिया था, कैंटोनमेंट बोर्ड ने इनको नोटिस जारी किया नोटिस के बाद जब उनकी तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हुई तो आज इन पर बुलडोजर की कार्रवाई की जा रही है और यह बुलडोजर की कार्यवाही आगे भी इसी प्रकार कई दिनों तक चलेगी जब तक कैंटोनमेंट बोर्ड अपने तमाम उन क्षेत्रों को अवैध कब्ज से मुक्त नहीं कर लेता तब तक इस प्रकार की कार्रवाई चलती रहेगी वहीं इस पूरे मामले में डॉक्टर तनु जैन ने सब निर्देशित कर दिया है कि कैंटोनमेंट के अंदर किसी भी प्रकार का कोई भी अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उसे पूरी तरीके से ध्वस्त कर दिया जाएगा।

विवाहिता की गला काटकर हत्या से सनसनी, पति व देवर हिरासत में दहेज हत्या का मामला दर्ज

बरेली। नवाबगंज थाना क्षेत्र के रिछोला किफायतुल्ला स्थित ओम सिटी कॉलोनी में रविवार को विवाहिता की गला रेतकर की गई हत्या से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। महिला का खून से लथपथ शव घर के कमरे में पड़ा मिला, जिसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के भाई ने महिला के पति सहित पांच लोगों पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। प्रारंभिक जांच में पति की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृतका की शादी करीब एक वर्ष पूर्व कमुआ गांव निवासी अनिल से हुई थी। शादी के बाद से ही दहेज को लेकर विवाद चल रहा था। रविवार को महिला संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली। परिजनों ने आरोप लगाया कि दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालवालों ने उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही एसपी नॉर्थ मुकेश चंद्र मिश्रा मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

किसानों का फूटा गुस्सा : धान तौलने से मना करने पर सहकारी समिति में जमकर हंगामा!

बरेली। मीरगंज क्षेत्र की बहुउद्देशीय सहकारी समिति पर शनिवार को धान तौलने में लापरवाही को लेकर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। धान न तौलने से नाराज किसानों ने समिति परिसर में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि समिति के कांटा इंचार्ज ने धान में बीमारी बताकर तौलने से साफ इंकार कर दिया। किसानों का कहना है कि यह बहाना बनाकर समिति कर्मचारियों द्वारा मनमानी की जा रही है। आरोप लगाया गया कि समिति पर लापरवाही और पक्षपात चरम पर है, जिससे छोटे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस बल पहुंचा। बढ़ती भीड़ और गरम माहौल को देखते हुए पुलिस ने समझा–बुझाकर स्थिति को शांत कराया। बाद में अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और किसानों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। किसान अब भी धान तौल प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग पर अड़े हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन तेज करेंगे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर निकली 'रन फॉर यूनिटी', हजारों पुलिस कर्मियों ने दौड़ में लिया हिस्सा

बरेली। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को पुलिस लाइन बरेली में भव्य "रन फॉर यूनिटी" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एडीजी रमित शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। रन फॉर यूनिटी में डीआईजी, एसएसपी, अन्य वरिष्ठ अधिकारी व हजारों पुलिसकर्मी शामिल हुए। एकता, अखंडता और राष्ट्रीय समर्पण का संदेश देते हुए यह दौड़ पुलिस लाइन से शुरू होकर चौकी चौराहे, गांधी मूर्ति से होते हुए पुनः पुलिस लाइन में समाप्त हुई। कार्यक्रम में अधिकारियों ने सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। रन फॉर यूनिटी के दौरान पुलिस कर्मियों में जबरदस्त उत्साह और देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

टाइम 100 इवेंट में भारत की आवाज बनीं स्मृति ईरानी, स्पार्क पहल से 1 लाख महिलाओं को जोड़ने का मिशन

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय टेलीविजन की एक अहम हस्ती स्मृति ईरानी इन दिनों सुर्खियों में हैं, अक्टूबर महीना उनके शानदार सफर की गवाही दे रहा है, जहां वो न सिर्फ खुलकर बात कर रही हैं और असली दुनिया में असर डाल रही हैं। हाल ही में स्मृति ईरानी ने अपने शो क्योंकि 2.0 में बिल गेट्स को बुलाया और फिर प्रतिष्ठित टाइम 100 इवेंट में भारत का नाम रोशन किया। शूटिंग के बीच भी उन्होंने वक्त निकालकर सबको प्रेरित किया। उनका इनिशिएटिव स्पार्क द 1001 कलेक्टिव इस ग्लोबल फोरम का पार्टनर है, जिसके जरिए वो न्यूयॉर्क के स्टेज तक पहुंचीं। टाइम 100 इवेंट में स्मृति ईरानी ने भारत और अपने प्रोजेक्ट स्पार्क द 1001 कलेक्टिव की तरफ से बात की। इस प्रोजेक्ट का मकसद देश के 300 शहरों में 1 लाख महिलाओं को मजबूत बनाना है ताकि वे अपना काम शुरू कर सकें। हाल ही में इसका एक इवेंट दिल्ली में हुआ था। स्पार्क प्रोजेक्ट छह हिस्सों में काम करता है, जो महिलाओं को जरूरी हुनर और सही मदद देने पर ध्यान देता है। उनकी दमदार स्पीच और मेहनत टाइम फोरम पर सबको बहुत पसंद आया है। इस चीज ने लोगों को याद दिलाया है कि कैसे स्मृति ईरानी एक साधारण शुरूआत से आगे बढ़कर आज भारत की एक सबसे मजबूत आवाज बन गई हैं। एक भावुक पल में, उन्होंने अपनी जड़ों को याद करते हुए कहारू उन्होंने कहा, कहते हैं जिंदगी एक पूरा चक्कर लगाती है, और आज रात मेरे लिए सच में ऐसा ही हुआ है। बयालीस साल पहले, नई दिल्ली की सड़कों पर मेरे पिता, जो एक किताब बेचने वाले थे, एक कबाड़ी से पुरानी ज्पउम मैगजीन खरीदकर बेचते थे, ताकि वो रोज दो डॉलर कमा सकें और तीन बेटियों का पेट पाल सकें। आज जब मैं आप सबके बीच खड़ी हूं, तो ये सिर्फ इसलिए है क्योंकि मेरे माता-पिता मेहनती थे, और साथ ही क्योंकि किसी ने मेरी पढ़ाई में मदद की, किसी ने मुझे ईमानदार मेहनताना दिया, और किसी ने मुझे अपने देश में एक राजनीतिक आवाज बनने का मौका दिया।भारत की लाखों महिलाओं की आवाज बनकर, स्मृति ईरानी ने भारत की महिला कार्यशक्ति की ताकत और उसकी संभावनाओं को दुनिया के सामने रखा।मेरे देश में मुझ जैसी 40 करोड़ महिलाएं हैं। उनमें से 9 करोड़ महिलाएं गांवों में काम करती हैं और हर साल छोटे बिजनेस से 37 बिलियन डॉलर का कारोबार करती हैं। मेरे देश की 15 लाख महिलाएं पंचायतों में चुनी हुई प्रतिनिधि हैं, जिन्हें आप टाउन काउंसिल कह सकते हैं। 60 लाख महिलाएं हर दिन फ्रंटलाइन हेल्थकेयर वर्कर के रूप में काम पर जाती हैं।अपने ग्लोबल विजन स्पार्क द 1001 कलेक्टिव को पेश करते हुए, स्मृति ईरानी ने पूरे आत्मविश्वास और उम्मीद के साथ अपना मिशन साझा किया- मैं यहाँ एक छोटी सी शुरूआत करने आई हूँ। भारत में, मेरे साथ एक और महिला ने ठाना कि हम 1 लाख महिलाओं तक पहुंचेंगे जो छोटे-छोटे बिजनेस चला रही हैं। हमारा मकसद था अपने देश के लोगों की मदद करना, सिर्फ सरकार का इंतजार नहीं करना। इसलिए हमने तय किया कि 300 शहरों में 1 लाख महिलाओं तक पहुंचेंगे, फिर 10 लाख तक, और 100 मिलियन डॉलर का इम्पैक्ट फंड बनाएंगे और जब किसी ने पूछा, क्या इसे 56 देशों तक ले जा सकती हो? तो हमने कहा हाँ, बिल्कुल! मैं यहाँ बस एक बीज बोने आई हूँ।अपना भाषण खत्म करते हुए उन्होंने दुनिया भर के नेताओं से दिल छू लेने वाली अपील की -मेरी बस एक ही अपील है, दुनिया में महिलाएं 30 ट्रिलियन डॉलर का खर्च कंट्रोल करती हैं, लेकिन उनके पास हर तीन में से सिर्फ एक बिजनेस है और उन्हें अब भी 20ः कम वेतन मिलता है। तो जब आपके पास अपने सपनों और अमिबिशंस के लिए आगे बढ़ने का हौसला है, तो थोड़ा हौसला उन लोगों की आवाज बनने का भी रखिए, जिनकी कोई आवाज नहीं है। स्पार्क द 1001 कलेक्टिव के जरिए स्मृति ईरानी सिर्फ महिलाओं की बात नहीं कर रहीं।

भारत में काला जादू के जरिये चलता है 50,000 करोड़ का डर का कारोबार

भारत का विश्वास से रिश्ता सदियों पुराना है, लेकिन अदृश्य शक्तियों के प्रति उसकी दीवानगी ने चुपचाप देश की सबसे अनियमित और अनियंत्रित छाया अर्थव्यवस्थाओं में से एक को जन्म दे दिया है। चमकते मंदिरों और चकाचौंध भरे ज्योतिष ऐप्स के पीछे छिपी है एक समानांतर अर्थव्यवस्था यानी डर की अर्थव्यवस्था, जिसकी सालाना आय 30,000 करोड़ से 50,000 करोड़ के बीच आं की गई है, जिसका जिक्र कहीं नहीं होता। सच पूछें तो भारत में अंधविश्वास सिर्फ साँसें नहीं ले रहा है, बल्कि फल-फूल रहा है। फुसफुसाते श्रापों से लेकर नजर उतारने वाले अनुष्ठानों तक, यह काला-जादू और तंत्र-मंत्र की अर्थव्यवस्था असल में किसी रहस्यमयी शक्ति से नहीं, बल्कि व्यापार से संचालित है। सच पूछिए तो यहां तांत्रिक और बाबा अक्सर खलनायक के रूप में दिखाए जाते हैं, और असली मुनाफा निकलता है इलाज के कारोबार से, जहां डर एक उत्पाद है और आस्था उसकी कीमत। मुंबई से लेकर मेरठ तक परिवारों को ब्लैक मैजिक रिमूवल, एनर्जी क्लीनसिंग, या एस्ट्रोलॉजिकल हीलिंग के नाम पर ठगा जाता है। एक साधारण झाड़-फूंक की रस्म का दाम 15,000 से 1.5 लाख तक होता है। वहीं व्हाट्सऐप पर स्पेल रिमूवल सर्विस 5,000 से शुरू हो जाती है और हजारों ऐसे तांत्रिक खुलेआम सोशल मीडिया पर विज्ञापन डालते हैं, यह दावा करते हुए कि 24 घंटे में असर गारंटीड।ऐसे मेंबस एक क्लिक, और एल्गोरिद्म आपको पहुंचा देता है डिजिटल ओरेकल्स यानी भविष्यवक्ताओं की दुनिया में। इंडिया टीवी की रेडइंक अवार्ड विजेता जांच के अनुसार, गॉडमैन .ओकल्ट (तांत्रिक-आध्यात्मिक) अर्थव्यवस्था का सम्मिलित आकार 40,000 करोड़ से अधिक है। सिर्फ महाराष्ट्र में हर साल लगभग 1,200 करोड़ गॉडमैन या हीलर्स को परामर्श शुल्क के रूप में खर्च किए जाते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, पिछले एक दशक में 2,000 से अधिक हत्याएं डायन, बलि या ओकल्ट रिचुअल्स से जुड़ी हुई दर्ज की गई हैं। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि जितने मामले दर्ज होते हैं, उतने ही दस गुना मामले स्थानीय पंचायतों या समझौतों में दबा दिए जाते हैं। यह एक ऐसा काला बाजार है, जो खुलेआम होकर भी छिपा हुआ है क्योंकि इसमें न कोई जीएसटी है, न कोई रसीद है और न कोई जवाबदेही है।

प्रेरणा अरोड़ा ने जगाई महादेव की गर्जना

अब शिव स्तोत्रम से थराएंगे सिनेमा हॉल

बहुप्रतीक्षित फिल्म जटाधारा का गीत शिव स्तोत्रम रिलीज हो चुका है, और यह अध्यात्म और सिनेमा का ऐसा अद्भुत संगम है, जिसे देखकर और सुनकर मन श्रद्धा से भर उठता है। इस भक्ति गान के पीछे निमार्ता प्रेरणा अरोड़ा की गहरी व्यक्तिगत आस्था और समर्पण झलकता है। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत यह गीत दृश्य और श्रव्य चमत्कार से प्रेरित भक्ति की सच्ची भावना से ओतप्रोत भगवान शिव को समर्पित एक दिव्य अनुभव है। राजीव राज द्वारा संगीतबद्ध और गाया गया यह स्तोत्रम्, अपनी भव्यता में श्रद्धा का सार पकड़ता है। प्रेरणा अरोड़ा की सोच से जन्मे इस गीत में उन्होंने संगीत टीम के साथ मिलकर भगवान शिव की शक्ति, सौंदर्य और करुणा का सार बुना है। हर दृश्य में एक दिव्य ऊर्जा प्रवाहित होती है, जो इस ट्रैक को एक भव्य भक्ति गान बना देती है। यह गीत न केवल सुनने में अलौकिक है, बल्कि आत्मा को झकझोर देने वाला भी है। फिल्म के मुख्य अभिनेता सुधीर बाबू अपने तीव्र और सशक्त अभिनय से गीत के दृश्यों में ऐसी प्राण-शक्ति भरते हैं कि हर क्षण श्रद्धा और जोश से सराबोर हो उठता है। सुधीर बाबू ने कहा, शिव स्तोत्र की शूटिंग मेरे लिए वास्तव में एक दिव्य अनुभव था। विशेष रूप से सेट पर बिताया गया हर पल ऐसा था, जैसे मैं स्वयं भगवान शिव की उपस्थिति में खड़ा हूं। जब मैंने पहली बार इस ट्रैक को सुना, तो उसकी ऊर्जा और आभा सिर्फ एक गीत तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह एक आध्यात्मिक जागरण जैसा था। सच कहूं तो एक अभिनेता के रूप में, ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है, जो आत्मा को श्रद्धा के साथ गहराई से जोड़ दे। मुझे गर्व है कि जटाधारा में भक्ति की वही भावना और भगवान शिव की शक्ति का सार विद्यमान है। निमार्ता प्रेरणा अरोड़ा ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, शिव स्तोत्र जटाधाराश की आत्मा है। शुरूआत से ही मेरा उद्देश्य एक ऐसा गीत रचना था, जो पारंपरिक सीमाओं से परे जाकर सच्ची भावना, श्रद्धा और विस्मय को जगाए। मैंने अपनी आस्था से जुड़कर संगीत टीम के साथ मिलकर इसे साकार किया है। हमने इसमें अपना पूरा दिल लगाया है और मुझे विश्वास है कि दर्शक उस पवित्र स्पंदन को बड़े पर्दे पर महसूस करेंगे। विश्वास और एकता की शक्ति को समर्पित, यह भगवान शिव को हमारी विनम्र भेंट है।इसमें दो राय नहीं है कि गूंजते मंत्रों और प्रतीकात्मक दृश्यों से सजा शिव स्तोत्रम्-इस वर्ष का सबसे प्रभावशाली भक्ति गीत बनकर उभरेगा, क्योंकि यह एक ऐसा गीत है, जो शाश्वत और नवीन होने के साथ अध्यात्म और सिनेमा को भी जोड़ता है,। वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल द्वारा निर्देशित और जी स्टूडियोज तथा प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत जटाधारा एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है। इसका निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है। सह-निमार्ताओं में अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा, क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय, और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भाविनी गोस्वामी शामिल हैं।

सेवानिवृत्त रामजियावन को सहयोगियों ने दी बिदाई

लखनऊ (संवाददाता)। जोन-5 के कर्मचारी साथी राम जियावन बेलदार अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए।जोन में आयोजित विदाई एवं सम्मान समारोह में समस्त अधिकारीगण कर्मचारीगण उपस्थित रहे सबने फूल माला पहनाकर स्वागत किया और उपहार प्रदान किया।उक्त अवसर पर जोनल अधिकारी श्री नंदकिशोर, कर अधीक्षक अलोक श्रीवास्तव, जेड.एस.ओ श्री राजेश नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ के पदाधिकारी श्री शमशाद समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। यह जानकारी अर्जुन यादव संगठन मंत्री,नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ ने दी इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि जोनल अधिकारी श्री नंद किशोर ने राम जियावन की काय्रशैली की सराहना करते हुए कहा कि कर्मचारी समाज के लिए सेवानिवृत्ति एक अवसर होता है जो उसके सेवा काल का स्र्वाणिम अवसर माना जाता है। उन्होंने कहा सेवानिवृत्ति के उपरान्त कार्मिक परिवार और समाज सेवा के लिए स्वतंत्र हो जाता है।

निकाय कर्मचारी महासंघ मिला समर्थन

लखनऊ (संवाददाता)। महासंघ ने प्रदेश सरकार व नगर विकास विभाग को पुनः सचेत करते हुए कहा कि हम निकाय कर्मचारियो की धैर्य की परीक्षा न ले,अभी तो शान्तिपूर्ण ढंग से क्रमिक अनशन के माध्यम से प्रदेश का निकाय कर्मचारी ध्यानाकर्षक करा रहा। महासंध की तरफ से कहा गया कि यदि 7 नवम्बर तक नगर विकास विभाग ने दैनिक वेतन, संविदा व तदर्थ कर्मचारियो का विनियमतीकरण व अकेन्द्रियत कर्मचारियो की सेवा नियमावली सहित जिन मांगो पर समय समय पर प्रमुख सचिव नगर विकास ने बैठक कर सहमति व्यक्त की उनका क्रियान्वयनध्आदेश नही जारी होते तो यह आन्दोलन और भी उग्र होगा। जिसमें प्रदेश की सफाई व्यवस्था,कूड़ा निस्तारण सहित अन्य सेवाएं वाधित होगी। स्थानीय निकाय कर्मचारियो के समर्थन में प्रदेश का हर विभाग व आम कर्मचारी खडा है,यह आन्दोलन अब निकाय तक न सीमित होकर प्रदेश के अन्य विभागो तक फैल जायेगा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कहा कि यदि समय रहते मांगो का समाधान किया जाय वरना 10 नवम्बर से होगी कार्यबन्दी महासंघ के इस जायज आन्दोलन को नगर निगम लखनऊ सहित प्रदेश के सभी अन्य संगठनो के साथ साथ सफाई सहित सभी कर्मचारी संगठनो का समर्थन बराबर मिल रहा जिसके क्रम में आज उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष व महामंत्री राजेश सिंह व रमेश चौरसिया क्रमिक अनशन स्थल पर आकर आन्दोलन के समर्थन में पत्र दिया गया।